University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

(Three/Four Year Under GraduateProgramme)

B.A.- Public Administration

III & IV Semester

Examination-2025-26

As per NEP – 2020

Name of University	University of Rajasthan
Name of Faculty	Social Science
Name of Discipline	Public Administration
Type of Discipline	Major
Offered for Non – Collegiate Students	Yes

SEMESTER –WISE PAPER TITLES WITH DETAILS

[In case there is no practical]

UG-9101-Three/Four Year Bachelor of Arts								
		Public Administration						
#	Level	Semester	Type	Title	L	T	P	Total
1	5	I	MJR	**UG-9101-PAD-51T-101-Introduction to Public Administration**	6	0	0	6
2	5	II	MJR	**UG-9101-PAD-52T-102-Indian Government and Administration**	6	0	0	6
3	6	III	MJR	**UG-9101-PAD-61T-201-Administrative Theory**	6	0	0	6
4	6	IV	MJR	**UG-9101-PAD-62T-202-State Administration**	6	0	0	6
5	7	V	MJR	**UG-9101-PAD-71T-301-Comparative and Personnel Administration**	6	0	0	6
6	7	VI	MJR	**UG-9101-PAD-72T-302-Local Governance**	6	0	0	6

SEMESTER –WISE PAPER TITLES WITH DETAILS

Examination Scheme:

1. 1 credit = 25 marks for examination/evaluation
2. For Regular Students there will be Continuous Assessment (CA), in which sessional work and the terminal examination will contribute to the final grade. Each course in Semester Grade Point Average (SGPA) has two components- Continuous Assessment (20% weightage) and (End of semester examination) EoSE (80% weightage).
3. ForRegular Students, 75% Attendance is mandatory for appearing in the EoSE.
4. To appear in the EoSE examination of a course/subject a regular student must appear in the mid-semester examination and obtain at least C grade in the Course/Subject.
5. Credit points in a Course/Subject will be assigned only if, the regular student obtains at least C grade in the CA and EoSE examination of a Course/Subject.
6. In the case of Non-Collegiate Students there will be no Continuous Assessment and credit points in a Course/Subject will be assigned only if, the non-collegiate student obtains at least C grade in the EoSE examination of a Course/Subject.

Examination Scheme for Continuous Assessment (CA):

Distribution of Continuous Assessment (CA) Marks

Sl.No	CATEGORY / Max Internal Marks	Weightage (Out of total Internal marks)		THEORY				
				CORE (Only Theory)	CORE (Theory + Practical)	AEC	SEC	VAC
	Max Internal Marks			30	20	20	10	10
1	Mid-term Exam	50%		15	10	10	5	5
2	Assignment	25%		7.5	5	5	2.5	2.5
3	Attendance	25%		7.5	5	5	2.5	2.5
		Regular Class Attendance	=75%	3	2	2	1	1
			75-80%	4	3	3	1.5	1.5
			80-85%	5	4	4	2	2
			>85%	7.5	5	5	2.5	2.5

Note:

1. Continuous Assessment will be the sole responsibility of the teacher concerned.
2. For Continuous Assessment no remuneration will be paid for paper setting, evaluation, invigilation etc.
3. For Continuous Assessment paper setting and evaluation responsibility will be of teacher concerned.
4. For Continuous Assessment no Answer Sheets/ Question Papers etc. will be provided by the University.
5. Colleges are advised to keep records of Continuous Assessment, attendance etc.

Examination Scheme for EoSE :

CA - Continuous Assessment

EoSE- End of Semester Examination

Regular Students

Type of Examination	Course Code and Nomenclature	Duration of Examination		Maximum Marks		Minimum Marks	
Theory		CA	1:00 Hrs	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3:00 Hrs	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks

(Courses which do not have Practical Examination)

The question paper will consist of three parts A, B & C.

Part -A: 20 Marks

Part A will be compulsory having 10 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two marks each.

Part – B: 20 Marks

Part B of the paper shall consist of 4 questions selecting one question from each unit and the student shall attempt any 2 questions (with a limit of 100 words) that carry 10 marks each.

Part –C: 80 Marks

Part C of the question paper shall be divided into four units comprising question numbers 6-9. There will be one question from each unit with internal choice. Each question will carry 20 marks.

Non- Collegiate Students :

Type of Examination	Course Code and Nomenclature	Duration of Examination	Maximum Marks	Minimum Marks
Theory	PAD-9101	3:00 Hrs	150 Marks	60 Marks

[Courses which do not have Practical Examination]

The question paper consists of three parts A, B and C.

Part –A: 40 Marks

Part A will be compulsory having 20 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two marks each.

Part-B: 30 Marks

Part B of the paper shall consist of 4 questions selecting one question from each unit and the student shall attempt any 2 questions (with a limit of 100 words) that carry 15 marks each.

Part-C: 80 Marks

Part C of the question paper shall be divided into four units comprising question numbers 6-9. There will be one question from each unit with internal choice. Each question will carry 20 marks.

विश्वविद्यालय का नाम	**राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर,**
संकाय का नाम	**सामाजिक विज्ञान**
विषय का नाम	**लोक प्रशासन**
विषय का प्रकार	**प्रमुख**
माइनर विषय के रूप में पेश किये जाने वाले कार्यक्रमों की सूचि	-
स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	**हाँ**

विवरण के साथ सेमेस्टरवार पाठ्यक्रम शीर्षक

[यदि कोई प्रायोगिक विषय नहीं है]

UG– 9101 – तृतीय/चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक								
				लोक प्रशासन	क्रेडिट			
क्रमांक	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	सैधांतिक	ट्यूटोरियल	प्रायोगिक	कुल
1	5	I	प्रमुख	**UG-9101-PAD-51T-101- लोक प्रशासन का परिचय**	6	0	0	6
2	5	II	प्रमुख	**UG-9101-PAD-52T-102- भारतीय** सरकार **तथा प्रशासन**	6	0	0	6
3	6	III	प्रमुख	**UG-9101-PAD-61T-201- प्रशासनिक सिद्धांत**	6	0	0	6
4	6	IV	प्रमुख	**UG-9101-PAD-62T-202- राज्य प्रशासन**	6	0	0	6
़5	7	V	प्रमुख	**UG-9101-PAD-71T-301- तुलनात्मक तथा कार्मिक प्रशासन**	6	0	0	6

6	7	VI	प्रमुख	**UG-9101-PAD-72T-302-** **स्थानीय शासन**	6	0	0	6

परीक्षा योजना

1. 1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन, के लिये 25 अंक।
2. नियमित छात्रों के लिये सतत मूल्यांकन होगा, जिसमें सत्रवार कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (SGPA) में प्रत्येक कोर्स के दो घटक **हैं** –सतत मूल्यांकन (20%**भारिता**) और अंतिम सेमेस्टर (परीक्षा के अंत में) EoSE (80% **भारिता**)
3. नियमित **छात्रों को** EoSE में उपस्थित होने के लिये 75% उपस्थिति अनिवार्य है।
4. किसी कोर्स/विषय की EoSE परीक्षा में उपस्थित होने के लिये नियमित छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होनाहोगा और कोर्स/विषय में कम से कम C ग्रेड प्राप्त **करना होगा** ।
5. किसी कोर्स/ विषय में क्रेडिट पॉइन्ट तभी दिये **जायेंगे**, जब नियमित छात्र किसी कोर्स/विषय की CA और EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।
6. **स्वयंपाठी** छात्रों के मामले में सतत मूल्यांकन नहीं होगा और किसी पाठ्यक्रम/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिये जाएंगे, तब **स्वयंपाठी** छात्र किसी पाठ्यक्रम/ विषय की EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।

सतत मूल्यांकन के लिये परीक्षा योजना:

सतत मूल्यांकन (CA) अकों का वितरण

क्रमांक	श्रेणी	भार (कुल आंतरिक अंको में से)		THEORY				
	अधिकतम आंतरिक अंक			कोर (केवल सैद्वांतिक)	कोर (सैद्वांतिक + प्रायोगिक)	AEC	SEC	VAC
				30	20	20	10	10
1.	मध्यावधि परीक्षा	50%		15	10	10	5	5
2.	असाइनमेंट	25%		7.5	5	5	2.5	2.5
3.	उपस्थिति	25%		7.5	5	5	2.5	2.5
		नियमित कक्षा उपस्थिति	=75%	3	2	2	1	1
			75-80%	4	3	3	1.5	1.5
			80-85%	5	4	4	2	2
			>85%	7.5	5	5	2.5	2.5

नोट :–

1. सतत मूल्यांकन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होगी।
2. सतत मूल्यांकन के लिए **प्रश्न पत्र निर्माण** ,मूल्यांकन और निरीक्षण आदि के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा।
3. सतत मूल्यांकन के लिए **प्रश्न पत्र निर्माण** और मूल्यांकन की जिम्मेदारी शिक्षक की होगी।
4. सतत मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई उत्तर पुस्तिका/प्रश्न पत्र आदि उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे।
5. कॉलेजों को सतत मूल्यांकन, उपस्थिति आदि का रिकॉर्ड रखने की सलाह दी जाती है।

EoSE परीक्षा योजना

CA - **सतत** मूल्यांकन

EoSE – सेमेस्टर के अन्त में परीक्षा

नियमित छात्र

परीक्षा का प्रकार	पाठ्यक्रम कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक		न्यूनतम अंक	
सैद्धांतिक		CA	1 घंटा	CA	30	CA	12
		EoSE	3 घंटे	EoSE	120	EoSE	48

(जिन विषयों में प्रायोगिक परीक्षा नहीं है)

प्रश्न पत्र में तीन भाग अ,ब और स होंगे।

भाग – अ : 20 अंक

भाग अ में दो अंक के 10 अति**लघुतरात्मक** प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगे।

भाग – ब : 20 अंक

प्रश्न पत्र के भाग ब में 4 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन किया जाएगा और **विद्यार्थी कोई** 2 प्रश्न (100 शब्दों की सीमा के साथ) ही हल करेगा, जिनमें प्रत्येक **प्रश्न** 10 अंक का होगा।

भाग – स : 80 अंक

प्रश्न पत्र के भाग **स** को प्रश्न संख्या 6–9 सहित चार इकाइयों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न **करना** होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

स्वयंपाठी छात्र-

परीक्षा का प्रकार	पाठ्यक्रम कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
सैद्धांतिक	PAD-9101	3 घंटे	150	60

(जिन **विषयों** में प्रायोगिक परीक्षा नहीं है)

प्रश्न पत्र में तीन भाग अ,ब और स होंगे।

भाग – अ : 40 अंक

प्रश्न पत्र के भाग अ में दों अंक के 20 अति**लघुतरात्मक** प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगे।

भाग – ब : 30 अंक

प्रश्न पत्र के भाग ब में 4 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन किया जाएगा और **विद्यार्थी कोई 2** प्रश्न (100 शब्दों की सीमा के साथ) हल करेगा, **जिसमे** प्रत्येक **प्रश्न 15** अंक का होगा।

भाग – स : 80 अंक

प्रश्न पत्र **का** भाग स प्रश्न संख्या **6–9** सहित चार इकाइयों में विभाजित **होगा**। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न **करना** होगा। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का होगा।

Syllabus
UG-9101-PAD-61T-201
III Semester[Public Administration]

<table>
<tr><td>Semester</td><td>Code of the Course</td><td colspan="4">Title of the Course/Paper</td><td>NHEQF Leval</td><td>Credits</td></tr>
<tr><td>III</td><td>PAD-61T-201</td><td colspan="4">Administrative Theory</td><td>6</td><td>6</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Leval of Course</td><td rowspan="2">Type of the Course</td><td colspan="3">Credit Distribution</td><td rowspan="2">Offered to NC Students</td><td colspan="2" rowspan="2">Course Delivery Method</td></tr>
<tr><td>Theory</td><td>Practical</td><td>Total</td></tr>
<tr><td>6</td><td>MAJOR</td><td>6</td><td>0</td><td>6</td><td>YES</td><td colspan="2">Lecture</td></tr>
<tr><td colspan="2">List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline</td><td colspan="6">NA</td></tr>
<tr><td colspan="2">Prerequisites</td><td colspan="6">XII Pass</td></tr>
<tr><td colspan="2">Objective of the Course</td><td colspan="6">Theory is the foundation and strength of every Discipline. It gives the subject's concepts, definitions, and ideals. This paper explores several thinkers who contributed to the creation of public administration. The reader would grasp the theoretical foundations of classical, bureaucratic, and human interactions in the discipline.</td></tr>
</table>

Three/Four Year Bachelor of Arts

Semester III

Public Administration

Paper Code	Title of the Paper	Level	Type	Credit
UG-9101-PAD-61T-201	**Administrative Theory**	6	Major	6

Administrative Theory

Unit I

Evolution of Administrative Thoughts and Various Stages. Administrative Ideas of Kautilya and Woodrow Wilson. Scientific Management : F.W. Taylor. Administrative Management Theory : Henri Fayol, Luther Gulick and Lyndall Urwick.

Unit II

Bureaucratic Concept of Max Weber ; Ideas of M.P. Follett; Human Relations Theory- Elton Mayo; Behavioural Theory: Chester Barnard amd Herbert Simon.

Unit III

Motivation Theories : Abraham Maslow, Fredrick Herzberg and Douglas McGregor. Participative Management : Chris Argyris and Rensis Likert.

Unit IV

Administrative Techniques : Programme Evaluation and Review Technique ; CPM, Cybernetics, Organization and Methods, Management Information System and SWOT Analysis. Concept of Good Governance, Information and Communication Technology innovations and its Significance.

Suggested Readings

- Prasad Ravindra D. (et al), *Administrative Thinkers,* New Delhi: Sterling Publications, 2017.
- Henry Nicholas, *Public Administration and Public Affairs,* New Delhi: Prentice Hall, 2006.
- Fedrickson George H. (et al), *The Public Administration Theory and Primer,* New York: West view press, 2003.
- Simon Herbert A., *Administrative Behavior: A Study of Decision-Making Processes in Administrative Organization,* New York: Mcmillan, 1947.
- Raadschelders, Jos C.N., *Government: A Public Administration,* Routledge, 2003.
- Anupama Puri Mahajan, *Administrative Thinkers* ;Pearson publication
- Marina Rita Pinto,*Administrative and Management Thinkers* ;New Age International Publishers

Course Outcomes:

1. Critically analyze on several thinkers who contributed for the development of public administration as a discipline.
2. Exposure to various chronological phases of theory building in public administration.
3. Examine the administrative techniques being utilised in an organisation.

Learning Outcome : The student will be able to:

1. Learn various approaches of administrative theories.
2. Demonstrate critical thinking on the scholars and their contribution in administration.
3. Evaluate the interrelation between theory and practice of administrative dynamics.

पाठ्यक्रम

UG-9101-PAD-61T-201-प्रशासनिक सिद्धांत

III सेमेस्टर [लोक प्रशासन]

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक				एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
III	PAD-61T-201	प्रशासनिक सिद्धांत				6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि	
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल			
6	प्रमुख	6	0	6	हाँ	व्याख्यान	
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमे गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA					
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण					
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		सिद्धान्त किसी भी विषय की नींव और ताकत होते हैं जो विषय को अवधारणा, अर्थ और आदर्श प्रदान करते हैं। यह प्रश्न–पत्र उन कई विचारकों के विचारों का समंकन करता है, जिन्होंने लोक प्रशासन को एक विषय के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पाठक इस प्रश्न पत्र में शास्त्रीय, नौकरशाही और मानवीय अन्तः क्रिया के सैद्धान्तिक आधारों को समझ सकेंगे।					

विवरण के साथ पाठ्यक्रम

तृतीय /चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक

सेमेस्टर – III लोक प्रशासन

पाठ्यक्रम कूट	पेपरशीर्षक	पाठ्यक्रम स्तर	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट
UG-9101-PAD-61T-201	प्रशासनिक सिद्धांत	6	प्रमुख	6

प्रशासनिक सिद्धांत

इकाई – 1

प्रशासनिक विचारों का विकास व विभिन्न चरण ; कौटिल्य एवं वुडरो विल्सन के प्रशासनिक विचार; वैज्ञानिक प्रबंध : एफ. डब्ल्यू. टेलर ; प्रशासनिक प्रबंध सिद्धांत – हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक एवं लिन्डाल उर्विक।

इकाई – 2

मैक्स वेबर की नौकरशाही अवधारणा ; एम.पी.फोलेट के विचार ; मानव सम्बन्ध सिद्धांत – एल्टन मेयो ; व्यवहारवादी सिद्धांत : चेस्टर बर्नार्ड एवं हर्बर्ट साइमन।

इकाई – 3

अभिप्रेरणा सिद्धांत – अब्राहम मैस्लो, फ्रेडरिक हर्जबर्ग व ड्गलस मैकग्रेगर ; भागीदारी प्रबंध :– क्रिस आर्गिरिस, रैंसिस लिकर्ट।

इकाई – 4

प्रशासनिक तकनीकें :–कार्यक्रम मूल्यांकन समीक्षा तकनीक (पर्ट), सी.पी.एम, साइबरनैटिक्स, संगठन एवं विधि (ओ एंड एम), प्रबंध सूचना प्रणाली (एम आई एस) एवं स्वोट (SWOT) विश्लेषण ; सुशासन की अवधारणा ; सूचना एवं प्रोद्योगिकी नवाचार व इसका महत्व।

सन्दर्भित पुस्तकें :–

1. नरेन्द्र थोरी : प्रशासनिक चिंतक, आर.बी.एस.ए, जयपुर।
2. अशोक कुमार : प्रशासनिक चितंक, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
3. प्रसाद, प्रसाद, सत्यनारायण : प्रशासनिक चिंतक : जवाहर पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
4. जी.एस. सुधा : प्रबंध चिंतक का इतिहास, आर.बी.एस.ए, जयपुर।

पाठ्यक्रम प्रतिफलः–

1. लोक प्रशासन का एक विषय के रूप में विकास में योगदान देने वाले विचारकों के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन संभव होगा।
2. विद्यार्थी लोक प्रशासन में सिद्धान्त निर्माण के विभिन्न चरणों के बारे में अवगत हो सकेंगें।
3. संगठन में काम आने वाली प्रशासनिक तकनीकों का परीक्षण संभव हो सकेगा।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफलः : विद्यार्थी सक्षम होंगेः–

1. प्रशासनिक सिद्धान्तों के विभिन्न उपागमों को सीखने में।
2. विद्वानों और प्रशासन में उनके योगदान पर आलोचनात्मक सोच प्रदर्शित करने में।
3. प्रशासनिक गतिशीलता के सिद्धान्त और व्यवहार के बीच अन्तर्संबंध का मूल्यांकन करने में।

Detailed Syllabus

Three/Four Year Bachelor of Arts

UG-9101-PAD-62T-202

IV Semester[Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper				NHEQF Leval	Credits
IV	PAD-62T-202	**State Administration**				6	6
Leval of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method	
		Theory	Practical	Total			
6	MAJOR	6	0	6	YES	Lecture	
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA					
Prerequisites		XII Pass					
Objective of the Course		The constitution has enshrined significant provisions on state and its features as it performs several functions analogous to the federal government. This course disseminates the background of Rajasthan state integration, features of administration and institutions associated. The paper will impart overall view of knowledge about the Rajasthan state to the Readers and Learners					

Semester IV
Public Administration

Paper Code	Title of the Paper	Level	Type	Credit
UG-9101-PAD-62T-202	**State Administration**	6	Major	6

State Administration

Unit I

Evolution of States in India Since Independence. Historical Background of Integration of Rajasthan State. Legislative Assembly and Legislative Council- Organisation and Functions; State Executive: Governor, Chief Minister and Council of Ministers- Powers, Functions and Role .

Unit II

Organisation and Functions of State Secretariat; Role of Chief Secretary in State Administration; Directorate - Role and Functions.; Secretariat-Directorate Relationship; Department of Home, Finance and commissionerate of College Education in Rajasthan- Organisation and Functions.

Unit III

Role and Functions of Divisional Commissioner, District Collector, SDM and Tehsildar in State Administration. Organisation and Functions of Revenue Board in Rajasthan. Role of Superintendent of Police in Law and Order. Police Commissionerate System in Rajasthan.

Unit IV

Rajasthan Public Service Commission- Organisation and Functions. Organisation and working of HCM RIPA and Rajasthan Police Academy. Grievance Redressal Mechanism in Rajasthan- Lokayukt, State Information Commission; The Rajasthan Guaranteed Delivery of Public Services Act ,2011 and The Rajasthan Right to Hearing Act,2012.

Suggested Readings

- Maheshwari S., *State Governments in India,* New Delhi: Macmillan, 2000.
- Sharma Harish Chander, *State Administration in India,* Jaipur: College Book Depot, 2002.
- Arora Ramesh K. & Chaturvedi Geeta, *Bharath Mein Rajya Prashashan,* Jaipur: RBSA, 2001.
- Kataria, Surendra, *Rajya Prashasan,* Jaipur: Malik and Company, 2017.

Course Outcomes:

1. Discuss the evolution and background of evolution of states in India.
2. Examine the functions performed by the state led institutions and their responsibilities.
3. Appreciate the role of District Collector and other officials involved in district administration.

Learning Outcome: The student will be able to:

1 Deep insight and able to understand the historical background and evolution of states in India.
2 Explain the activities carried out by various institutions functioning in the state.
3 Develop critical thinking and familiarity on district officials and their responsibilities.

पाठ्यक्रम

UG-9101-PAD-62T-202-राज्य प्रशासन

IV सेमेस्टर [लोक प्रशासन]

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक				एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
IV	PAD-62T-202	राज्य प्रशासन				6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि	
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल			
6	प्रमुख	6	0	6	हाँ	व्याख्यान	
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमे गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA					
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण					
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		भारत के संविधान में राज्य और उसकी विशेषताओं के बारे में कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं। राज्य सरकार संघीय सरकार की तरह कई कार्यों का संपादन करती हैं। यह पाठ्यक्रम राजस्थान राज्य के एकीकरण की पृष्ठभूमि, प्रशासन और सम्बद्ध संस्थाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालता है। यह प्रश्न पत्र पाठकों और शिक्षार्थियों को राजस्थान राज्य के बारे में ज्ञान का एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करेगा।					

विवरण के साथ पाठ्यक्रम

तृतीय /चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक

सेमेस्टर – IV लोक प्रशासन

पाठ्यक्रम कूट	पेपर शीर्षक	पाठ्यक्रम स्तर	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट
UG-9101-PAD-62T-202	राज्य प्रशासन	6	प्रमुख	6

राज्य प्रशासन

इकाई – 1

स्वतंत्रता पश्चात भारत में राज्यों का विकास; राजस्थान राज्य के एकीकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ; विधान सभा और विधान परिषद : संगठन एवं कार्य; राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रीपरिषद – शक्तियाँ, कार्य एवं भूमिका।

इकाई – 2

राज्य सचिवालय का संगठन एंव कार्य; राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव की भूमिका; निदेशालय – कार्य एवं भूमिका; सचिवालय–निदेशालय **सम्बंध**; राजस्थान में गृह **विभाग**, वित्त **विभाग** तथा **आयुक्तालय** ,**कॉलेज** शिक्षाः– संगठन एवं कार्य।

इकाई – 3

राज्य प्रशासन में संभागीय आयुक्त, जिलाधीश, उप–खण्ड़ अधिकारी एवं तहसीलदार की भूमिका एवं कार्य; राजस्थान में राजस्व मण्डल का संगठन एवं कार्य; कानून–व्यवस्था के संदर्भ में पुलिस अधीक्षक की भूमिका ; राजस्थान में पुलिस आयुक्त व्यवस्था।

इकाई – 4

राजस्थान लोक सेवा आयोग –संगठन एवं कार्य; हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान तथा राजस्थान पुलिस अकादमी का संगठन एवं कार्य प्रणाली; राजस्थान में शिकायत निवारण तंत्र – लोकायुक्त एवं राज्य सूचना आयोग; **राजस्थान लोक सेवाओ के प्रदान की गारंटी** अधिनियम, 2011 एवं **राजस्थान** सुनवायी का अधिकार अधिनियम, 2012।

सन्दर्भित पुस्तकें :–

1. रमेश अरोडा व गीता चतुर्वेदी : भारत में राज्य प्रशासन, आर.बी.एस.ए, **जयपुर।**

2. सुरेन्द्र कटारिया : राज्य प्रशासन : मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर चौडा रास्ता।

पाठ्यक्रम **प्रतिफलः–**

1. भारत में राज्यों के विकास और पृष्ठभूमि का विवेचन संभव होगा।

2. राज्य संस्थाओं तथा उनके उत्तरदायित्वों का परीक्षण संभव हो पाएगा।

3. जिला कलेक्टर तथा जिला प्रशासन में शामिल अन्य अधिकारियों की भूमिका का मूल्यांकन कर पाना संभव होगा।

पाठ्यक्रम **अधिगम प्रतिफलः** विद्यार्थी सक्षम होंगेः–

1. भारत में राज्यों के विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में गहन समझ विकसित करने में।
2. राज्य में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं द्वारा संपादित कार्यों का वर्णन करने में।
3. जिला अधिकारियों एवम् उनकी जिम्मेदारियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं समझ विकसित करने में।